

Dhanteras Puja

Date : 27th October 2008
Place : Delhi
Type : Puja
Speech : Hindi
Language

CONTENTS

I Transcript

Hindi	02 - 04
English	-
Marathi	-

II Translation

English	-
Hindi	-
Marathi	05 - 07

ORIGINAL TRANSCRIPT

HINDI TALK

यह एक अद्भूत चीज़ है कि हमारे अन्दर बसी हुई शक्ति को हमने जगाया है और हम खोये रहते हैं हमारे अपने ही विचारों में। लेकिन हमारे अन्दर बहुत शक्ति है और सब परमात्मा ने हमें ये शक्ति दी है। हम सब परमात्मा, परमात्मा कहते हैं पर सब ये जानते हैं कि वो हर जगह है, हर जगह रहते हैं, हर जगह वो देखते हैं। और हमारी हर एक बात को वो बहुत प्यार से देखते हैं। अब तुम लोग तो उनके दरबार में आ गये हो। यही मुझे कहना है कि मुझे बड़ा आनन्द आया कि इतने साल हो गये दिल्ली में सहजयोग बड़े जोरो में चला है। इसका मतलब ये है कि दिल्ली के लोगों में बड़ी श्रद्धा है और बहुत सामाजिक भी है। नहीं तो इतने और जगह में गयी हूँ, वहाँ इतना प्रचार हुआ फिर भी मैं ये नहीं कह सकती कि हर जगह इस कदर समझदारी लोगों में आयी। आप लोगों ने सहजयोग को पूरी तरह से समझना है और उसका आशीर्वाद आपके अधिकार की चीज़ है।

आपने 'सहज' को समझा तो सहज आपको समझेगा। वो जानते हैं कि आप क्या है और आपकी क्या हैसियत है और आपको क्या देना चाहिए। अब मैं आपसे बताती हूँ ये एक बात कि बहुत साल पहले मैं आयी थी दिल्ली और दिल्ली में मैंने सोचा था कि यहाँ सहजयोग बहुत जम जाएगा। क्या वजह थी कि गवर्नमेंट यहाँ आ गयी और कलकत्ता से आ गयी। क्या सहज थी कि यहाँ सब सरकारी नौकर आ गये और सरकार का काम यहाँ शुरू हो गया है। ये सब आप लोगों को इकट्ठा करने का इंतजाम था क्योंकि और किसी भी जगह जाईये तो आप इतने लोग इकट्ठा नहीं कर सकते थे। जितना काम दिल्ली में होता है उतना और जगह नहीं हो सकता। ये तो मेरा अनुभव है और मैं यही सोचती हूँ कि दिल्ली में कोई न कोई ऐसी बात है कि लोग बढ़ रहा है, हर एक में फर्क आ गया है और हर एक पूरी तरह से समझ गया है कि सहजयोग क्या है। आप लोग सोचते नहीं हैं कि ये चमत्कार दिल्ली में क्यों हुआ। ये सब आप लोगों की विशेषता है। दिल्ली से सारा कारोबार सहजयोग का चल रहा है। बहुत मदद की है दिल्ली वालों ने। मैं आपको बता नहीं सकती कि सहज में ऐसी हुई है बात कि जिसको समझना मुश्किल है, वहाँ दिल्ली वालों ने बहुत अच्छे से समझ लिया है और समझके उसको उन्होंने अपनाया, अपने अन्दर लाया और लोगों पर बाहर इसका परिणाम हुआ। दिल्ली का बड़ा असर है सारी दुनिया में। हम बहुत बात समझते हैं लेकिन ये नहीं समझ पाते हैं कि दिल्ली में जो है ये सब कैसे है। क्योंकि दिल्ली में लोग तो सरकारी होते हैं, सरकार के और उनके सोचने का तरीका होता है लेकिन ये बात नहीं। यहाँ बहुत से परमात्मा के आशीर्वाद से आये हैं, विशेष रूप से वो यहाँ इसलिए आये हैं और इसलिए ये सहजयोग दिल्ली में बहुत, बहुत गहन होता है। एकाध दिल्ली का सहजयोगी देख लीजिए मैं तो हैरान हो जाती हूँ कि इतनी इन्होंने गहराई कहाँ से पायी है।

ये जो दिल्ली के वातावरण में इतना सरकारी का मामला है, हर जगह आड़े आया सरकारी चीज़। लेकिन लोग जो सहजयोग में आये उन्होंने कमाल कर दिया है। हर जगह लोग इसके लिए आश्चर्यचकित हैं कि दिल्ली के लोगों में कैसे क्या फैल गया है। वो तो सरकारी लोग हैं। सरकार को ही मानते हैं, उन्होंने 'माँ' को कैसा क्या मान लिया है। बड़ी आश्चर्य की बात है, सबको लगा है, बड़ी आश्चर्य की बात है। पर इसमें कोई आश्चर्य नहीं है क्योंकि यहाँ भगवान के बात को ले और जहाँ असल में भगवान को मानते हैं वही सहजयोग फैलता है, वही सहजयोग बढ़ता है, उसमें और कोई चीज़ का असर नहीं होता है। परमात्मा को समझना चाहिए, उनकी शक्ति को समझना चाहिए उनकी कार्यक्षमता समझनी

चाहिए। और आप लोगों के द्वारा परमेश्वर का कार्य कैसे होगा, ये बड़ा आश्चर्य है। यहाँ एक से बढ़कर एक सहजयोगी है। मेरी तो समझ में ही नहीं आता कि यहाँ के सरकारी नौकरी के साथ ये सब कैसे घटित होगा। और आज बड़ा अच्छा दिन है जो मैं यहाँ हूँ और आज का दिन बहुत माना जाता है, शुभदिन। मैं नहीं जानती कि दिल्ली में कैसा मनाया जाता है पर ये बहुत बड़ा शुभदिन है क्योंकि इस दिन कोई सा भी नया कार्य शुरू करने का, उसके लिए विशेष दिन है आज का। अपने देश में सच तो बात ये है कि लोग बहुत बातें जानते हैं। सबसे बड़ी बात तो ये है कि ज्योतिष और दूसरे आधार पर ये जानते हैं कि कौनसा दिन अच्छा है? कौनसा दिन क्या है?

वैसे आज का ये दिन बड़ा ही अच्छा है। और मैं बहुत खुश हूँ कि आजके दिन मैं आप लोगों के पास आयी हूँ। आज का दिन विशेष आशीर्वाद है, विशेष आशीर्वाद है और वो आशीर्वाद ये है कि आपकी समस्याएँ ठीक हो जाएंगी। आपको मदद करेंगे परमेश्वर और जगह नहीं मैं इतना कह सकती हूँ जितना मैं दिल्ली में सुनती हूँ कि परमेश्वर की बड़ी कृपा है और वो जानते हैं कि यहाँ एक से एक समझदार लोग हैं। एक से एक बात है और आप सबको पहचानते भी हैं। हो सकता है कि आप में से कुछ लोगों को नहीं जानते हैं, हो सकता है। पर मेरे अन्दर जो भगवान है वो जानते हैं आप सबको, सबको जानते हैं और आपके प्रति बहुत रुझान है। आपके प्रति बड़ी श्रद्धा है कि आप लोग इस भारत वर्ष को ऊँचा उठावेंगे। यहाँ पर ये सहजयोग उठा और यहीं से अगर सहजयोग फैल जायें तो क्या कमाल हो। अब तो मैं हर एक देश में गयी हूँ और जहाँ भी रशिया वगैरा लेकिन जो श्रद्धा यहाँ जो दिल आप लोगों का है वो वैसी श्रद्धा है। यहाँ की शुद्ध श्रद्धा, कोई कुछ चाहता है, कोई कुछ चाहता है। पर श्रद्धा का मज़ा आप लोगों के आते है।

लेकिन मुझे बड़ी खुशी हुई जब उन्होंने कहा कि आज पूजा हो जाएगी, मैंने कहा ठीक है। अच्छा है। ये नया शुभ, ये शुभ दिन है आप जानते हैं कि आज श्री लक्ष्मी की पूजा है। अपने यहाँ लक्ष्मी की पूजा कोई करता ही नहीं है इसलिए समझ लेना चाहिए कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। लक्ष्मी आपको सब कुछ देती है। वो 'माँ' है। वो सब चीज़ देती है, सब सुख, सब आराम और सबसे बड़े वो आपके अन्दर ज्योत जलाती है इसलिए किसी भी तरह से, किसी भी तरह से आप लक्ष्मी को मानिये। लक्ष्मी माने पैसा नहीं है, ये समझ लीजिए लक्ष्मी माने देवी है और देवी की तरह आपको पैसे को मानना है। अपने देश में लोग पैसे के लिए क्या क्या काम करते हैं, गलत, सलत बस, वो बहुत बुरी चीज़ है। लेकिन आप लोगों के पास जिम्मेदारी है कि आप लक्ष्मी को देवी समझ लें और उसकी पूरी पूजा करें और उसको समझे कि इस लक्ष्मी के साथ खेल खिलवाड़ नहीं हो सकता। लक्ष्मी आपको आशीर्वाद देती है और आशीर्वाद देती रहेगी। ऐसे तो दुष्ट लोग बहुत कम होते हैं और आपको तृप्त होना चाहिए क्योंकि आपके अन्दर लक्ष्मी का निवास करती है और हर तरह के आनन्द और सुख के क्षण आपके लिए जोड़ के रखे हैं। वो सब आपको मिलने वाला है और मिला है। अब इतना ही समझ लीजिए कि आज के दिन मेरा यहाँ आना इत्तेफाक है। कोई ऐसा विचार नहीं था और नहीं मेरे जेहन में था। लेकिन बराबर यहाँ आना चाहिए आज के दिन ये मैं जानती थी और वैसे ही हो गया अपने आप मैं यहाँ आयी हूँ अभी सहजयोगी तो बहुत है और आप लोगों में से कुछ लोग नहीं आ सके मैं जानती हूँ। लेकिन कुछ हर्ज नहीं है। मैं सबके लिए बात कर रही हूँ और सबके लिए मेरा ये विश्वास है कि वो सब लक्ष्मी की पूजा आज करें और लक्ष्मी की पूजा में लक्ष्मी के समस्त रूप को समझना चाहिए कि वो कैसी है, वो देवी कैसी है? उसे हम समझ नहीं पाते हैं और अगर उसे हम समझ नहीं पाते हैं तो गलत रास्ते चले जाते हैं। इसलिए ये समझना चाहिए कि वो देवी है और वो आपकी 'माँ' है और आपके लिए वो कुछ भी कर सकती है क्योंकि वो बहुत शक्तिशाली है और मोहब्बती है, आपको किसी भी परेशानी में नहीं डालती है। आप अगर किसी चीज़ में फँस रहे हो तो आपको बचायेगी। ऐसी लक्ष्मी की कृपा है। पर यहाँ खासकर सरकारी नौकर,

वो अगर ये समझ लें कि ये लक्ष्मी की जगह है तो सारा कारोबार ठीक हो जाएगा। इसलिए अपने देश में लक्ष्मी की कभी कभी लगता है कि कृपा होनी चाहिए। वैसी बात नहीं है, गलती हम करते हैं, वो नहीं। वो तो क्षमाशील है और हम पर मेहरबान है, सब पर, सब लोगों कर बहुत मेहरबान है। लेकिन हम खुद ही अपने को सताते हैं, अपने को काट रहे हैं। और इतना तय हो जाये कि हम गलत काम नहीं करेंगे तो देखिए मुझे आशा है कि दिल्ली में ये जो प्रोग्राम हुआ और ये लक्ष्मी का स्थान है इसलिए यहाँ पर इस दिन कोई भी, कोई भी इन्सान ऐसा न रह गया जो लक्ष्मी का अपमान करें, उसको निचा दिखाएं। उसने हमारे देश का भाग्य बहुत ऊँचा उठाया है इसलिए हमें लक्ष्मी की पूजा करनी है। लक्ष्मी को मानना है और वो अपनी 'माँ' है उसका पूरा सत्कार करना चाहिए। आप लोगों को क्यों कह रहा हूँ क्योंकि आप लोग सहजयोगी है और आप सबको पता है कि आज का दिन लक्ष्मी की पूजा का दिन है और लक्ष्मी एक ऐसी 'माँ' है, हर हालत में आपका साथ नहीं छोड़ेगी। सिर्फ इतना आप करिए लक्ष्मी को 'माँ' स्वरूप समझिये और बहुत सफाई के साथ, ऐसे जो लोग हैं वो तो सहजयोग में आएंगे ही लेकिन और भी लोग आ जाएंगे क्योंकि इसका असर सब को होगा। आप सब पर लक्ष्मी की कृपा रहे और रहेगी ये मैं जानती हूँ।

सहजयोग यहाँ बहुत फैल गया है, बहुत ज्यादा। उसके लिए तो कोई दूसरे तरह का मेहनत करना पड़ता तब ये काम होता। आपके यहाँ और भी कार्य होने है और उस पर यहाँ आप जानते है कि यहाँ बहुत सारी जमीनें ली गयी है और वहाँ बनाया जा रहा है। सबकुछ अपने आ हो रहा है। मैं कुछ कर नहीं रही हूँ। सबकुछ घटित हो रहा है। और हो रहा है अपने आप उसमें कोई करना नहीं है ये मैं जानती हूँ और दूसरे आप लोग, आप लोगों के भी जो आशायें है, वो यहीं पूरी हो जाएंगी और जो कुछ भी आप जानना चाहें तो लक्ष्मी जी की कृपा आप पर रहेगी। तो आज का दिन उसके लिए है, लक्ष्मी कृपा।

सबको अनन्त आशीर्वाद!

MARATHI TRANSLATION

(Hindi Talk)

ही एक अद्भूत गोष्ट आहे की, आपल्या आतमध्ये असणाऱ्या शक्तीला आपण ओळखत नाही. मात्र आपण आपल्या विचारात अडकून पडतो. आपल्या आत बरीच शक्ती आहे, जी परमात्म्याने आपल्याला दिलेली आहे. आपण सर्व परमात्मा, परमात्मा म्हणतो पण सर्व हे ओळखतात, तो प्रत्येक जागी आहे, प्रत्येकात राहतो आणि सर्व ठिकाणी तो बघत असतो. आपल्या प्रत्येक गोष्टीकडे तो फारच प्रेमपूर्वक बघत असतो. आता तुम्ही सर्व लोक त्याच्या दरबारात आलेले आहात.

हे मला सांगताना अत्यंत आनंद होतो की इतकी वर्षे दिल्लीत सहजयोग जोरात चालू आहे. याचा अर्थ असा होतो की दिल्लीच्या लोकांत मोठी श्रद्धा आहे आणि सामुदायिकता पण आहे. नाहीतर मी इतक्या ठिकाणी गेले, तिथे एवढा प्रचार झाला तरी मी म्हणू शकत नाही की लोकांमध्ये इतकी जाणीव निर्माण झाली आहे. तुम्ही सर्वांनी सहजयोग पूर्ण तऱ्हेने समजून घेतला पाहिजे आणि त्याचे आशीर्वाद मिळणे हा तुमचा अधिकार आहे. तुम्ही सहजाला समजून घेतले तर सहज तुम्हाला समजून घेईल. तो ओळखतो की तुमची काय लायकी आहे आणि तुम्हाला काय हवय.

मी आता तुम्हाला एक गोष्ट सांगते की बऱ्याच वर्षांपूर्वी दिल्लीला आले होते आणि मी विचार केला होता इथे दिल्लीत सहजयोगाचा चांगला जम बसेल. काय कारण होते? इथे केंद्र सरकार आले आणि कलकत्त्याहून आले. काय कारण होते? इथे सरकारी नोकर आले आणि सरकारचे काम इथे सुरू झाले. हे सर्व तुम्हा लोकांचा एकत्र आणण्याचा परिणाम होता. कुठेही जा, तुम्ही एवढ्या लोकांना एकत्र आणू शकत नाही. जितके काम दिल्लीत होते, तेवढे इतर ठिकाणी होऊ शकत नाही. हा माझा अनुभव आहे आणि मी हाच विचार करते की, दिल्लीमध्ये अशी कोणती विशेषता आहे की लोक सारखे वाढत आहेत. फक्त संख्याच नव्हे तर प्रत्येक माणूस उन्नती करित आहे. प्रत्येकात परिवर्तन होत आहे आणि प्रत्येकजण सहजयोग काय आहे हे समजून घेत आहे. तुम्ही लोक विचार करू शकत नाही की दिल्लीत हा चमत्कार का झाला? ही सर्व तुम्हा लोकांची विशेषता आहे. दिल्लीत सर्व सहजयोगाचे कामकाज चालू आहे. बरीच मदत केली आहे दिल्लीकरांनी. मी तुम्हाला सांगू शकत नाही की सहजात झालेली ही गोष्ट समजणे कठीण आहे तर दिल्लीकरांनी फारच चांगल्या रितीने समजून घेऊन ती अंगी बाणवली आणि लोकांवर ह्याचा बाह्य परिणाम झाला. दिल्लीचा प्रभाव साऱ्या जगावर आहे. आपण बऱ्याच गोष्टी ओळखतो परंतु हे ओळखू शकत नाही की दिल्लीच्या लोकांना हे कसे ठाऊक आहे. कारण दिल्लीत लोक जास्त करून सरकारी आहेत, सरकारची आणि त्यांची विचार करण्याची पद्धत वेगळी असते. पण ती गोष्ट नाही. इथे बरेच परमात्म्याच्या आशीर्वादाने आले आहेत. विशेषतः ते यासाठी इथे आले आणि म्हणून सहजयोग दिल्लीत जास्त जास्त रुजला आहे.

दिल्लीच्या एखाद्या सहजयोग्याला मी जेव्हा बघते, मी हैराण होते की, इतकी गहनता त्यांना कुठून मिळाली? वातावरणात इतके सरकारीपण भरलेले आहे, प्रत्येक गोष्टीत आहे सरकारीपणा. परंतु जे लोक सहजयोगात आले, त्यांनी कमाल केली. म्हणून प्रत्येक ठिकाणी लोक आश्चर्यचकीत होतात. दिल्लीच्या लोकांमध्ये हे एवढे कसे फैलावले? ते तर सरकारी लोक आहेत. सरकारला मानतात. त्यांनी माताजींना कसे काय मानले? फारच आश्चर्याची गोष्ट आहे. सर्वांना वाटते ही फारच आश्चर्याची गोष्ट आहे. परंतु यात आश्चर्य वाटण्याचे कारण ही नाही कारण इथे परमेश्वराचे भक्त आहेत. त्यांच्यावर इतर कोणत्याही गोष्टींचा परिणाम होत नाही. परमात्म्याला ओळखले पाहिजे, त्यांच्या शक्तीला ओळखले पाहिजे, त्यांची कार्यक्षमता समजली पाहिजे आणि तुम्हा लोकांकडून परमेश्वराचे कार्य कसे होईल हे मोठे आश्चर्य आहे. इथे एकापेक्षा एक सहजयोगी आहेत. माझ्या तर हे लक्षात येत नाही की सरकारी नोकरी सोबत हे कसे घडेल? आणि आज खूपच चांगला दिवस आहे की मी

आज इथे आहे आणि आजचा दिवस ही शुभदिन आहे. तो दिल्लीत कसा साजरा केला जातो हे मला माहीत नाही, पण हा फारच महत्वाचा शुभदिवस आहे कारण यादिवशी शुभकार्य सुरु करावयाचे असते, त्यासाठी त्याचे विशेष महत्त्व मानले जाते. खरं तर आपल्या देशात जे बऱ्याच गोष्टी जाणतात, विशेषतः ज्योतिष व दुसऱ्या आधारांवर जाणतात की कुठला दिवस चांगला आहे? कुठल्या दिवशी काय आहे? आजचा दिवस त्या दृष्टीने फारच चांगला आहे. मला अत्यंत आनंद झाला आहे. कारण मी तुम्हा सर्वांजवळ आले आहे. आजच्या दिवसाचे विशेष आशीर्वाद आहेत. विशेष आशीर्वाद हे की, तुमच्या सर्व समस्या ठीक होतील. परमेश्वर तुम्हाला मदत करील आणि इतर ठिकाणी मी सांगू शकत नाही, जितके दिल्लीत विचार करते. तिथे परमेश्वराची फारच कृपा आहे आणि तो जाणतो, येथे एकापेक्षा एक समजूतदार लोक आहेत, एकाहून अनेक सरस गोष्टी आहेत, हे तो सर्व जाणतो. काही जाताना तो ओळखत नाही असे असू शकेल. पण माझ्यातील परमेश्वर सर्वांना ओळखतो. सर्वांना आणि तुमच्यावर फारच ममत्व आहे. तुमची श्रद्धा या भारतवर्षाला उंचावर नेईल. येथे सहजयोग उंचावला आणि येथून सहजयोग पसरला तर काय कमाल होईल? आता तर मी प्रत्येक देशात गेलेले आहे आणि जिथे पण रशिया वगैरे, परंतु ती श्रद्धा, येथे जे हृदय तुम्हा लोकांचे आहे तशी श्रद्धा (....अस्पष्ट) येथील शुद्ध श्रद्धा! कोणी काही मागतो, कोणी काही इच्छितो, पण श्रद्धेची खरी मजा तुम्हाला समजते.

मला फार आनंद झाला. त्यांनी मला सांगितले की आज पूजा होईल. मी म्हटले 'ठीक आहे.' हा चांगला एक शुभदिवस आहे आणि तुम्ही जाणता आज श्री महालक्ष्मीची पूजा आहे. आपल्याकडे लक्ष्मीची पूजा कोणी करित नाही. म्हणून आजच्या दिवसाचे महत्त्व फार आहे. लक्ष्मी तुम्हाला सर्व काही देते. ती आई आहे. ती सर्व गोष्टी देते. सर्व सुख, सर्व आराम आणि सर्वात महत्वाचे म्हणजे ती तुमच्या आत ज्योत पेटवते. म्हणून अशा रितीने तुम्ही लक्ष्मीला माना. लक्ष्मी म्हणजे पैसे नव्हे हे उमजून घ्या. लक्ष्मी म्हणजे देवी आहे आणि देवी प्रमाणे पैशाकडे बघितले पाहिजे. आपल्या देशात लोक पैशासाठी काय काय कामे करतात. वाईट-साईट सर्व गोष्टी ही. परंतु तुम्ही लोक जबाबदारीने लक्ष्मीला देवी माना आणि पूजा करा आणि हे समजून घ्या की लक्ष्मीकडे गांभीर्याने बघा. लक्ष्मी तुम्हाला आशीर्वाद देते आणि देत राहील. तसे तर दुष्ट लोक फारच कमी असतात. पण तुम्हाला संतुष्ट असायला हवे, कारण लक्ष्मी तुमच्यात वास करते. या प्रकारच्या आनंद आणि सुखाच्या क्षणांनी तुम्हाला एकत्र ठेवले आहे. हे सर्व तुम्हाला मिळाले आहे आणि मिळणार आहे. आता इथे माझे येणे एक योगायोग आहे. असा काही विचार केला नव्हता व माझ्या वेळापत्रकातही तसे नव्हते. परंतु येथे यावयास हवे होते आणि आजच्या दिवशी हे मी ओळखले आणि तसेच झाले व आपोआप मी येथे आले. आता सहजयोगी तर बरेच आले आहेत आणि आपल्यातील काही लोक नाही येऊ शकले हे मी जाणते. पण सर्वांसाठी मी हे सांगते आणि सर्वांसाठी माझा असा विश्वास आहे की सर्वांनी आज लक्ष्मीची पूजा करावी आणि लक्ष्मीपूजेत लक्ष्मीच्या सर्व रुपांना समजणे आवश्यक आहे. ती कशी आहे? कशी देवी आहे? तिला तुम्ही समजून घेत नाही आणि मग चुकीच्या मार्गाने जाता. यासाठी हे समजून घ्या, ती देवी आहे आणि तुमची आई आहे आणि तुमच्यासाठी ती काहीही करू शकते. कारण ती फारच शक्तिशाली आहे व प्रेमळही आहे. तुम्हाला कोणत्याही संकटात घालीत नाही. तुम्ही एखाद्या गोष्टीत फसलेले असाल तर अवश्य तुम्हाला ती वाचवील. अशी लक्ष्मीची कृपा आहे. पण येथे सरकारी कर्मचारी, त्यांनी जर हे समजून घेतले की हे लक्ष्मीचे ठिकाण आहे, तर सर्व कामकाज व्यवस्थित होईल.

म्हणून कधी कधी वाटते, आपल्या देशात लक्ष्मीची कृपा व्हायला हवी. पण तशीही गोष्ट नाही. आम्हीच चुका करतो, ती नाही. ती तर क्षमाशील आहे आणि आपल्यावर प्रसन्न आहे. सर्व लोकांवर प्रसन्न आहे. परंतु आपणच आपल्याला त्रास देत असतो. स्वतःला खाईत ढकलतो व चुकीच्या गोष्टीत फसत आहोत. जर वाईट गोष्टी करायच्या नाहीत असे ठरविले तर बघा, मला आशा वाटते की दिल्लीमध्ये हा जो कार्यक्रम झाला आणि हे जे लक्ष्मीचे स्थान आहे या ठिकाणी कुणीही अगदी कुणीही असा माणूस राहू नये, जो लक्ष्मीचा अपमान करील. निंदा करील. तिने आपल्या देशाचे भाग्य उंचावर नेऊन ठेवले आहे, म्हणून तुम्हाला लक्ष्मीची पूजा केली पाहिजे. लक्ष्मीला मानले पाहिजे आणि ती तुमची आई आहे. तिचा पूर्ण सन्मान केला पाहिजे.

तुम्हा लोकांना हे मी का सांगत आहे कारण तुम्ही लोक सहजयोगी आहात. तुम्हा सर्वांना हे माहीत आहे आजचा दिवस लक्ष्मीच्या पूजेचा दिवस आहे व लक्ष्मी अशी आई आहे जी हर एक स्थितीत तुमची सोबत सोडीत नाही. फक्त तुम्ही एवढेच करा. लक्ष्मीला 'आई' स्वरूप माना आणि अतिशय शुद्धतेने जे लोक आहेत ते सहजयोगात येतील. परंतु आणखी देखील लोक येतील. कारण याचा परिणाम सर्वांवर होईल. तुम्हा सर्वांवर लक्ष्मीची कृपा राहो आणि राहील हे मी जाणते. (...अस्पष्ट)

सहजयोग येथे फारच परसला आहे, फारच. त्यासाठी तर दुसऱ्या प्रकारची मेहनत घ्यावी लागते, तेव्हा असे काम होते. तुमच्या इथे आणखी कार्य होऊ घातले आहे आणि त्यासाठी इथे बरीच जमीन घेतली आहे आणि त्याठिकाणी बनविले जाणार आहे. सर्व काही आपोआप घडत आहे. मी तर काही करीत नाही. सर्व काही घटीत होत आहे. आपोआप होत आहे. त्यात काही करावयाचे नाही, हे मी जाणते. दुसरे असे, तुम्ही लोक, तुमच्या ज्या पण आशा-आकांक्षा आहेत त्या इथे पूर्ण होतील आणि जे पण तुम्ही जाणण्याची इच्छा कराल, लक्ष्मीजीची कृपा तुम्हावर राहील. तर आजचा दिवस लक्ष्मीजीच्या कृपेसाठी आहे.

सर्वांना अनन्त आशीर्वाद!